



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2214]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, दिसम्बर 31, 2009/पौष 10, 1931

No. 2214]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 31, 2009/PAUSA 10, 1931

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 2009

का.आ. 3315(अ).—भारतीय बायलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) का वर्ष 2007 में भारतीय बायलर (संशोधन) अधिनियम, 2007 (2007 का 49) के रूप में और संशोधन किया गया है और 12 दिसम्बर, 2007 को राष्ट्रपति की अनुमति प्राप्त हो गई है;

और उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (2) में यह उपबंध है कि अधिनियम के उपबंध उस तारीख को प्रवृत्त होंगे, जो केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे और उक्त अधिनियम के भिन्न-भिन्न उपबंधों के लिए भिन्न-भिन्न तारीखें, नियत की जा सकेंगी ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 27 मई, 2008 को वह तारीख नियत की थी जिसको उक्त अधिनियम के कतिपय उपबंध प्रवृत्त होंगे और इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार ने सं. का.आ. 1226 (अ) तारीख 27 मई, 2008 द्वारा अधिसूचना राजपत्र में जारी की थी ;

और केन्द्रीय बायलर बोर्ड ने केन्द्रीय सरकार को यह सिफारिश करने का विनिश्चय किया है कि उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2) जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा 27 मई, 2008 से प्रवृत्त किया गया है, 31 जुलाई, 2010 तक की अवधि के लिए अधिसूचना वापस ली जाए;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं. का. आ. 1226 (अ) तारीख 27 मई 2008 को उन बातों के सिवाय जहां तक उसका संबंध धारा 3 की उप-धारा (2) से है

अधिक्रांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, 1 अगस्त, 2010 को वह तारीख नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2) प्रवृत्त होगी ।

[फा. सं. 6 /11/2004-बायलर]

रेणु शर्मा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Industrial Policy and Promotion)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th December, 2009

S.O. 3315(E).— Whereas the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923) has been further amended in 2007 as the Indian Boilers (Amendment) Act, 2007 (49 of 2007) (hereinafter referred to as the said Act) and received the assent of the President on the 12th December, 2007;

And whereas, sub-section (2) of Section 1 of said Act provides that the provisions of the Act shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in Official Gazette, appoint; and different dates may be appointed for different provisions of the said Act;

And whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 1 of the said Act, the Central Government had appointed the 27th day of May, 2008 as the date on which certain provisions of the said Act shall come into force and for this purpose the Central Government had issued a Gazette notification vide number S.O. 1226 (E), dated the 27th day of May, 2008;

And whereas, the Central Boilers Board has decided to recommend to the Central Government that sub-section (2) of Section 3 of the said Act which has been brought into force with effect from the 27th day of May, 2008 by the Central Government may be denotified for a period up to the 31st day of July, 2010 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 1 of the said Act and in supersession of notification No. S. O. 1226 (E), dated

27th May, 2008 in so far as it relates to sub-section (2) of Section 3, except as respects things done or omitted to be done before such suppression, the Central Government hereby appoints the 1st day of August, 2010 as the date on which sub-section (2) of Section 3 of the said Act shall come into force.

[F. No. 6/11/2004-Boiler]

RENU SHARMA, Jt. Secy.